30 जुलाई, 2022

रामजस कॉलेज के वार्षिकोत्सव समारोह में माननीय स्पीकर महोदय का सम्बोधन

दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह जी,

रामजस फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती शुभ्रा गुप्ता जी,

रामजस फाउंडेशन मैनेजिंग समिति के अध्यक्ष श्री राजनाथ गुप्ता जी,

कॉलेज गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष श्री देवेश गुप्ता जी,

रामजस कॉलेज के प्रिन्सिपल श्री मनोज कुमार खन्ना जी

कॉलेज के शिक्षकगण, छात्रगण, भाइयों और बहनों

---

1. रामजस कॉलेज के वार्षिक उत्सव में आप सबके साथ सम्मिलित होकर मुझे बड़ी प्रसन्नता हो रही है। कॉलेज के इस परिसर में ऊर्जावान युवाओं को देखकर मैं भी अपने आप को बड़ा ऊर्जावान महसूस कर रहा हूँ। आप सभी भारत के उज्ज्वल भविष्य हैं, देश की प्रगति के ध्वजवाहक हैं।

2. मित्रों, रामजस कॉलेज मात्र एक शिक्षण संस्थान ही नहीं है, यह भारत की एक अमूल्य धरोहर है। आपके इस कॉलेज का इतिहास एक शताब्दी से भी अधिक पुराना है। रामजस कॉलेज देश के स्वाधीनता संघर्ष से लेकर भारत के विकास से जुड़ा है।

3. आपके कॉलेज से अनेक महान व्यक्तियों ने शिक्षाग्रहण की है, जिन्होंने देश-विदेश में अपने कॉलेज का और अपने देश का नाम रोशन किया है। देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश श्री योगेश कुमार सभरवाल जी, गुजरात और केरल के पूर्व राज्यपाल श्री सरूप सिंह जी, दिल्ली के प्रथम मुख्यमंत्री चौधरी श्री ब्रहम प्रकाश जी, ओलम्पिक स्वर्ण पदक विजेता पद्मश्री सुमित अंतिल और बेहतरीन अभिनेता पद्मश्री मनोज वाजपेयी तथा अनेक विभूतियां इस कॉलेज के पूर्व विद्यार्थी रहे हैं।

4. रामजस फाउंडेशन आज शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्टता की मिसाल बन चुका है। आपका कॉलेज अपने संस्थापक राय केदार नाथ जी के विजन के अनुसार कार्य करता आया है। इसके लिए मैं कॉलेज के सभी छात्रों, अध्यापकों और स्टाफ को साधुवाद देता हूँ, बधाई देता हूँ।

5. इस कॉलेज के उद्घाटन से राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी और देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी जैसे महान राजनेताओं का नाम जुड़ा है। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर भी एक समय पर इस कॉलेज की गवर्निंग बॉडी के सदस्य रहे थे।

6. प्रिय विद्यार्थियों, हमें हमारे इन महापुरूषों के विचारों को समझने की आवश्यकता है। देश की आजादी की लड़ाई उन्होंने जिन सपनों के साथ लड़ी थी, उन सपनों को पूरा करने की जिम्मेदारी देश के युवाओं पर है।

7. हमारे देश को आजाद हुए 75 साल हो चुके हैं और इस साल हम अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। आज हमारे देश को प्रगति के रास्ते पर ले जाने की जिम्मेदारी आप युवाओं की है। हमारे लोकतांत्रिक देश में हम किस तरीके से देश के अंदर बदलाव लाएं, देश की उन्नति के भागीदार बने, यह जिम्मेदारी भी आप युवाओं की है।

8. साथियो, सिर्फ वोट डालने से आपकी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी खत्म नहीं हो जाती, बल्कि वोट डालने से तो यह जिम्मेदारी शुरू होती है। आपके वोट डालने से ही देश और प्रदेशों की सरकार बनती है। सरकार बनने के बाद युवाओं की जिम्मेदारी है कि वो सरकार के हर निर्णय और नीतियों में भागीदारी करें। जब किसी विधेयक से पहले कोई ड्राफ्ट लाया जाता है, तो उस पर अपने सुझाव दें, विधेयक और कानूनों का अध्ययन करें और उनका विश्लेषण करें।

9. साथियो, सिर्फ स्टार्ट-अप ही नहीं, जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी आपको नवाचार करना है। स्टार्ट अप से स्टैंड अप की दिशा में आपको आगे बढ़ना है। खुद को आत्मनिर्भर बनाते हुए हम दूसरों के लिएरोजगार की व्यवस्था करें, इसके लिए आपको नवाचार करना है।

10. मुझे बताया गया है कि आपके कॉलेज में इसी संस्थान के पूर्व छात्र श्री हर्ष मल्होत्रा ज़ी की स्मृति में एक रिसर्च सेंटर खोला गया है, जिसका मूल उद्देश्य छात्रों में शोध को बढ़ावा देना है। कॉलेज का यह कदम भारत सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप है और मैं समझता हूँ कि सामाजिक शोध के क्षेत्र में यह एक दूरगामी परिणाम लेकर आएगा।

11. रामजस कॉलेज पर्यावरण को लेकर भी काफ़ी सजग है और निरंतर पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रयास कर रहा है।

12. सौर पैनलों का उपयोग, हर वर्ष कई वृक्षारोपण अभियान और पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम महाविद्यालय में आयोजित किए जाते रहे हैं।

13. साथियो, छात्रों और युवाओं का सर्वांगीण विकास हमारी प्राचीन संस्कृति की विशेषता रही है। हजारों वर्ष पूर्व जब छात्र गुरुकुल जाते थे तो उन्हें मात्र शिक्षा ही नहीं दी जाती थी, बल्कि उनका चरित्र निर्माण भी किया जाता था। आज दुनिया भौतिक रूप से आगे बढ़ रही है। लेकिन भारत ऐसा देश है, जिसके पास एक समृद्ध आध्यात्मिकऔर सांस्कृतिक विरासत भी है।

14. यह हमारे संस्कार और संस्कृति हैं, जिसके बल पर भारत का युवा आज दुनिया में अनेक क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहा है। दुनिया की बड़ी–बड़ी कंपनियों का नेतृत्व आज भारत के युवा कर रहे हैं।

15. साथियो, रामजस कॉलेज का यह कैम्पस कई मायनों में विशेष है। यहां की पढ़ाई, यहां की रिसर्च, कार्य संस्कृति, अनुभवी प्रोफेसर्स का मार्गदर्शन और तेजस्वी छात्रों की प्रतिभा देश के नौजवानों को प्रेरणा देती है। आपकी ऊर्जा, आपकी सोच और आपके सपनों को आप देश का सपना बना सकते हैं।

16. देश भर के कॉलेज और वहां के छात्र आपकी ओर देखते हैं, आपसे सीखते हैं। केवल अपने आपको नहीं देश की नौजवान पीढ़ी को बदलने की जिम्मेदारी रामजस कॉलेज के छात्रों की है।

17. मेरे दोस्तों, जिस देश में 65 प्रतिशत से ज़्यादा संख्या युवाओं की हो, जिस देश में दुनिया में सबसे ज़्यादा नौजवान रहते हैं; उस देश की तरक्की के रास्ते भी युवाओं को ही तय करने पड़ेंगे ।

18. सरकारें सिर्फ नीतियाँ बना सकती हैं, योजनाएं ला सकती हैं, लेकिन उन्हें इम्प्लीमेंट करने, देश के विकास को गति देने की महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी आप पर ही हैं।

19. आपके अंदर प्रतिभा हैं, नवाचार करने की क्षमता है, अपनी ऊर्जा, मेहनत और आइडियाज के बल पर आप तय करेंगे कि 25 साल बाद का भारत कैसा होगा? 25 साल बाद भारत अपनी आजादी का शताब्दी वर्ष मनाएगा।

20. आप जो नौजवान यहाँ बैठे हैं, आपकी उम्र 25 वर्ष के आस-पास होगी। देश के लिए अगले 25 वर्ष बहुत ही निर्णायक साबित होंगे। आपके जीवन में भी आने वाले 25 वर्ष बहुत निर्णायक सिद्ध होंगे। आप अपने पर्सनल गोल को नेशनल गोल की तरह लेकर आगे बढ़े। आप अपनी तरक्की को देश की प्रगति से जोड़कर देखें और एक भारतः श्रेष्ठ भारत के सपने को साकार करें।

21. मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ। रामजस कॉलेज दिल्ली यूनिवर्सिटी का एक बड़ा कैम्पस है। यहां पर चर्चा, संवाद का एक अच्छा माहौल है। हम हर वर्ष एक विषय तय करें और उस पर एक प्रैक्टिकल स्टडी करें।

22. जैसे मान लीजिए कि हम ग्रामीण विकास का विषय लेते हैं, तो कॉलेज के छात्र गांवों में जाकर वहां विकास के विभिन्न पहलुओं को समझें, वहां की चुनौतियों को समझें और उनका समाधान सामूहिक रूप से ढूंढे।

23. इतना बड़ा कॉलेज जब किसी दिन प्रतिदन के महत्वपूर्ण मुद्दे पर कोई रिसर्च, कोई सोल्यूशन देगा, तो वह आगे एक मॉडल के रूप में implement हो सकता है। जमीनी विषयों से हमारी यूनिवर्सिटीज का सीधा जुड़ाव होना चाहिए।

24. साथियो, आज के डिजिटल विश्व में एक आवश्यकता यह भी है कि देश के युवा, महिलाएं और सभी लोग डिजिटल रूप से साक्षर बनें, सबको तकनीक का ज्ञान हो; आप युवा छात्रों से अपील है कि इसके लिए भी आप नए आइडियाज लेकर आयें और उन पर काम करें।

25. प्यारे विद्यार्थियों, देश की स्वाधीनता से लेकर देश के निर्माण और विकास में छात्र वर्ग की सदा ही महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज़ादी के आंदोलन में भी अनेक नौजवानों ने राष्ट्रीय आंदोलनों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया था। उन्होंने भारत भूमि की आजादी के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया था।

26. स्वतंत्र भारत के विकास की योजनाओं में भी युवा एवं विद्यार्थी वर्ग प्रमुख भागीदार रहे। युवाओं और विद्यार्थियों ने सदैव भारत के लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए काम किया है और आगे देश की तरक्की का दायित्व आप युवाओं पर ही है।

27. साथियों, लोकतंत्र में बहुत शक्ति होती है। यह सभी नागरिकों को आगे बढ़ने का समान अवसर देता है।

28. आपने देखा कि किस प्रकार एक सामान्य जनजातीय समाज से आने वाली महिला आज हमारे देश के उच्चतम पद पर हैं, भारत की प्रथम नागरिक हैं। ये हमारे देश के लोकतंत्र की ताक़त है।

29. पिछले 20 से ज़्यादा वर्षों से हमारी संसद और विधान सभाओं में महिलाओं, युवाओं तथा उपेक्षित समाज की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है, उनका प्रतिनिधित्व भी बढ़ रहा है। चुनावी प्रक्रिया में भी नागरिकों की भागीदारी बढ़ रही हैं।

30. यह दिखाता है कि हमारे देश में लोकतंत्र की जड़ें गहरी हैं और जनता का लोकतंत्र में विश्वास है। वे लोकतंत्र को अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति में बदलाव का माध्यम मानते हैं। आजादी के बाद यह हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

31. युवा साथियों, आपसे आग्रह है कि आप संसद की कार्यवाही नियमित रूप से देखें कि किस प्रकार आपके जनप्रतिनिधि आपकी समस्याओं को, आपके विषयों को सदन में रखते हैं। किस प्रकार राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर सदन में चर्चा होती है। किस प्रकार लोकतान्त्रिक संस्थाओं में सहमति-असहमति को व्यक्त किया जाता है।

32. जो विद्यार्थी राजनीति शास्त्र के हैं, वे तो संविधान का अध्ययन करते ही हैं, पर सभी छात्रों को संविधान की जानकारी होनी चाहिए। आपको पता होना चाहिए कि हमारे संविधान के क्या आदर्श हैं, क्या values हैं।

33. हम जल्द ही पार्लियामेंट लाइब्रेरी को सबके लिए ऑनलाइन उपलब्ध करवाने जा रहे हैं। वहाँ आप हमारे संविधान सभा की डिबेट्स को भी पढ़ सकते हैं। जब आप उन्हें पढ़ेंगे, उन चर्चाओं एवं विमर्श को जानेंगे, तब देश के संविधान के प्रति आपके सम्मान में बढ़ोतरी होगी।

34. इसी उद्देश्य से 'Know Your Constitution अभियान' चलाया गया है, जिसका उद्देश्य स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों में संविधान के प्रति जागरूकता में वृद्धि करना है।

35. हमें अपने अधिकारों के बारे में सचेत रहना आवश्यक है, परंतु अपने देश के प्रति हमारे कुछ कर्तव्य भी हैं, जिनका निर्वहन आवश्यक है। हमें अपनी कर्तव्यनिष्ठा पर अधिक जोर देना है क्योंकि यही हमारे अधिकारों की गारंटी है। देश हमें सब कुछ देता है, हम भी तो कुछ देना सीखें। इस भावना से हमें काम करना होगा।

36. भविष्य का भारत हमारी आकांक्षाओं – हमारे सपनों का भारत हो, इसके लिए हमें सामूहिक संकल्प लेना होगा। और इस संकल्प में भारत की सबसे बड़ी शक्ति आप युवाओं की होगी।

37. आज़ादी के अमृत महोत्सव से शुरू होने वाली अमृत काल की यात्रा नए भारत के निर्माण की यात्रा होगी। ऐसा भारत, जहाँ समाज के आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए भी न्याय, समानता, स्वतंत्रता सच्चे अर्थों में सुनिश्चित होगी। ऐसा भारत, जहाँ बंधुता का भाव परम भाव होगा, सद्भाव और सौहार्द होगा। जन-जन की आकांक्षाओं और उम्मीदों के ऐसे भारत का निर्माण आप युवा ही करेंगे।

38. साथियो, दुनिया में जितने भी बड़े-बड़े परिवर्तन हुए हैं, उनका नेतृत्व युवाओं ने किया है। दुनिया में जितने भी बड़े निर्माण हुए हैं, उसके निर्माण कर्ता नौजवान रहे हैं। आप नौजवानों के पास शक्ति, साहस और सामर्थ्य है। आप देश ही नहीं, दुनिया की तकदीर बदल सकते हैं।

39. मैं यहां अनेक ऊर्जावान नौजवानों को देख रहा हूँ। मुझे विश्वास है कि आपकी क्षमता के बल पर भारत जल्द ही विश्व का शिखर राष्ट्र बनेगा और संसार का नेतृत्व करेगा।

40. इसी संदेश के साथ, मैं पुनः आप सभी विद्यार्थियों, प्रोफेसर्स और कॉलेज स्टाफ को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ। रामजस कॉलेज की प्रसिद्धि निरंतर बढ़ती रहे, मेरी शुभकामनाएं आपके साथ है।

जय हिन्द।